



This PDF you are browsing now is a digitized copy of rare books and manuscripts from the Jnanayogi Dr. Shrikant Jichkar Knowledge Resource Center Library located in Kavikulaguru Kalidas Sanskrit University Ramtek, Maharashtra.

KKSU University (1997- Present) in Ramtek, Maharashtra is an institution dedicated to the advanced learning of Sanskrit. The University Collection is offered freely to the Community of Scholars with the intent to promote Sanskrit Learning.

Website
<https://kksu.co.in/>

Digitization was executed by NMM
<https://www.namami.gov.in/>

Sincerely,

Prof. Shrinivasa Varkhedi
Hon'ble Vice-Chancellor

Dr. Deepak Kapade
Librarian

Digital Uplo Preservation <https://egang>

M-499

कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत
विश्वविद्यालय ग्रंथालय, रामटेक

हस्तलिखित संग्रह

दाखल क्र...M.499 विषय शीता
नांव- ...भगवद्भक्त...M.85
लेखक/लिपीकार
पृष्ठ...2....
काळ पूर्ण/अपूर्ण

667-IV

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ अस्य श्रीमंगलमंत्र
स्य विरूपाक्षः गायत्री छंदः मंगलौ देवता ॐ
ह्रीं बीजं ॐ हूं शक्ति ॐ ह्रौं कीलकं ममराशेः
संकाशा जन्म स्थिता निह निरास पूर्वक
एकादश स्थान स्थ शुभ फल प्राप्स्यर्थं मंगल
मंत्र जपे विनियोगः ॐ ह्रौं अंगुष्ठाभ्यां नमः

॥१॥

ॐ ह्रीं तर्जनीभ्यां नमः ॐ हूं मध्यमाभ्यां न
मः ॐ ह्रौं अनामिकाभ्यां नमः ॐ ह्रौं कनि
ष्ठिकाय नमः ॐ हूं करतलकरपृष्ठाभ्यां न
मः एवं हृदयादि ध्यानं रक्तांबरोरक्तवपुः कि
रीटचतुर्भुजो मेषगमो गदाभृत् धरासुतः
शक्तिधरश्च श्रुतीभोमः समस्तं वदन् शान्तः

इति ध्यानं मानसोप-चारैः संपूज्य अथ मंत्रः
ॐ अग्निर्मूर्खी दिवः ककुत्पतिः पृथिव्या अयं ॥
अपारेतां सिजि न्वति इति मंत्रस्य जपः उत्त
रन्यासं कुर्यात् अनेन जपेन मंगलः प्रियतां ॥ ५ ॥



॥ २ ॥

॥ मंगलमंत्रां ॥

[OrderDescription]
,CREATED=15.10.19 12:05
,TRANSFERRED=2019/10/15 at 12:07:08
,PAGES=3
,TYPE=STD
,NAME=S0002043
,Book Name=499
,ORDER_TEXT=
,[PAGELIST]
,FILE1=000000001.TIF
,FILE2=000000002.TIF
,FILE3=000000003.TIF
,